Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 26-07-2006

Participants : Pandey Dr. Laxminarayan

an>

Title : Need to review the decision to cancel Ken-Betwa inter-linking river project.

डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय (मंदसौर) : महोदया, देश के हृदय स्थल मध्य प्रदेश का मालवांचल जो नदियों और हरियाली के कारण देश में प्रसिद्ध है, निरंतर गिरते जल स्तर व वर्षा की कमी कमे कारण मरूभूमि (रेगिस्तान) में परिवर्तित होता जा रहा है। केंद्र व राज्य सरकार द्वारा, इसके कतिपय क्षेत्रों को जहां जल स्तर 1200-1400 फीट तक नीचे चला गया है, डार्क जोन घोति किया गया है। परिणामतः कृषि प्रधान इस क्षेत्र में इस जल संकट से किसान व आम नागरिक त्रस्त है। धीरे-धीरे जहां कृषि के लिए जल नहीं है वहीं पेयजल का संकट भी खड़ा हो गया है। चम्बल, क्षिप्रा, काली, सिंध सूखती जा रही है। इस संकट से मुक्ति देने हेतु केन्द्र सरकार द्वारा नदी-जोड़ो योजना के अंतर्गत केन-बेतवा तथा नर्मदा-क्षिप्रा-चंबल को जोड़ने की परियोजनाओं की स्वीकृति हुयी। किंतु समाचार पत्रों से ज्ञात हुआ है कि केन बेतवा को अव्यावहारिक व अलाभप्रद बताते हुए निरस्त किये जाने का प्रस्ताव है, जो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि इनका पुनरीक्षण कराया जाए तथा योजना की क्रियान्विती में आने वाली बाधाओं को दूर कर इसे हाथ में लिया जाए। ताकि इस क्षेत्र का संकट समाप्त हो और क्षेत्र को मरू भूमि होने से बचाया जा सके।

सभापति महोदया : श्री दानवे रावसाहेब पाटील : उपस्थित नहीं।

श्री एन.एन.कृणदास : उपस्थित नहीं।

श्री रशीद मसूद : उपस्थित नहीं।